

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण (उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष /फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 187 /3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
अल्मोड़ा वन प्रभाग,
अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत गदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹0 152.63 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	ALMORA FOREST DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	131.43	37.46
Plantation Maintenance - CA	ha	376.67	35.03
Nursery Maintenance - CA	Nos.	600000	9.00
Nursery Raising - CA	Nos.	200000	16.08
Contour Trenches	ha	200	20.00
Creation of water bodies	Nos.	50	5.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	10	5.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	200	10.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	200	15.06
Total			152.63

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।

4. जिन कार्यों के संभावन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्राप्तम करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य साप्तन न कराया जाए।
8. निर्णय कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SU) अधार पर गणित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा दिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय उत्तराखण्ड के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, गे पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत साप्तन कराये जाने वाले सामर्त कार्यों हेतु गानक दर के अनुसार ही सजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय बनाधिकारी एवं बन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर दिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रखीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागीय कार्यालयी सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (बन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षात नियम, शासनादेश आदि का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का सांसिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा अथ धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रगुजता से अंकित किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा अथ धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रगुजता से अंकित किया जाय।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संभावित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. साप्तन कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर रागयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, बन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय बन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित भद्र की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गांध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समान्तर्गत राग्यादित किया जाय।
24. सामर्त स्थल विशेष कार्य की अक्षों व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि राग्यबद्ध रूप से की जाय तथा साप्तन कार्यों के यथासम्बन्ध कोटों भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे०-स्त०-सुहाग)

अपर प्रमुख बन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 187 / 3-3(5) / 2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को रादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं पित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. गुरुत्व वन संरक्षक, कुगाँड़ जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, उत्तरी कुमाऊँ वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्घाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 188 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
सिविल सोयम वन प्रभाग,
अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के कम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 161.30 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	ALMORA CS DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Contour Trenches	ha	150	17.70
Creation of water bodies	Nos.	268	36.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	8	2.80
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	7	86.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	50	5.80
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	10	10.00
Sub Total			158.30
BINSAR WLS			
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	4	3.00
Sub Total			3.00
Total			161.30

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं गौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक तनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।

३

4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित हैं उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बदलने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, गे पहले ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित लिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय बनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किरी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथारागत इस कार्यालय को सुधित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक रावॄष्टी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना ग्रौंदोगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कर्जाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय बनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीता कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित गद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गाध्यग रो अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सुजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता रो समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समर्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

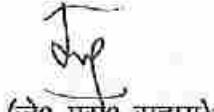
(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक— १८८ /३-३(५)/२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष—कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, बन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, उत्तरी कुमाऊँ वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।



(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहशहर, दूरभाष / फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 189/3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
चम्पावत वन प्रभाग,
चम्पावत उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को नियानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 92.36 लाख की धनराशि अवगुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

CHAMPAWAT DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	20.92	5.88
Plantation Maintenance - CA	ha	164.99	15.98
Contour Trenches	ha	50	30.00
Creation of water bodies	Nos.	139	8.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	408	32.00
Total			92.36

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में नियन्त्रित एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधिकानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिकारिय नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।

3

7. कार्य की सक्षम रत्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम रत्तर की रवीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुगोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत रत्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतपुरितका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रवीकृति आवश्यक हों, मैं पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम रत्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्मादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रवीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रवीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्ता रवीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा गृह रत्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबंधन के लिए सामयबद्ध/प्रभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शाराकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) गाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिनियम (प्रैंक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक बलारीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम रत्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षेप विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थनीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. साम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर सामयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा गारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित भद्र की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गार्ध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व रुजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अकांश व देशांतर की कैम्पा एमओआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एमओआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमओआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 189 /3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रागिति, उत्तराखण्ड कौपा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, उत्तरी कुगाऊँ वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

189

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहसादा, दूरभाष /फँक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 190/3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
भूसं० वन प्रभाग,
उत्तरकाशी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रतर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 210.96 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

UTTARKASHI SC DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	21	12.73
Contour Trenches	ha	178	17.80
Creation of water bodies	Nos.	98	27.30
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	6	3.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	510	127.50
Lantana Removal/Invasive Species	ha	28	22.63
Total			210.96

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं चच्चे स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्रान्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

T

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामरियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति ग्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्थीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्थीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत राम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु गानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी हों।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्थीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रवीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्थीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा गृह स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मार्शिक वलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RAQS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविहत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (रांकण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिकों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्थीकृत कार्ययोजना व संबंधित मर्द की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गांधग से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सूजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से रागयान्तर्गत राम्पादित किया जाय।
24. समस्त रथल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम0आई0एरा0 में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम0आई0एस0 में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम0आई0एस0 में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे0 एस0 सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:— १९८ /३-३(५) /२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :—

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रागिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

Jp

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
१ उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 35) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहशहर, दूरगाष / फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक 191 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
उत्तरकाशी वन प्रभाग,
उत्तरकाशी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में रवीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 163.54 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

UTTARKASHI DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	137.57	48.47
Plantation Maintenance - CA	ha	122.88	13.32
Nursery Maintenance - CA	Nos.	532000	26.65
Contour Trenches	ha	80	8.00
Creation of water bodies	Nos.	100	26.30
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	22	7.80
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	360	33.00
Total			163.54

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रतिष्ठित सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित हैं उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृत प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

२

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित तर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधिकारित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय बनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रखीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदर्श रखीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रागावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय बनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उल्लंघन कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का लिधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समर्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर रामयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (रांगकण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिकों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि रो अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्धिनियोग व अन्य गाध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक वित्तीय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से रामयान्तर्गत राम्पादित किया जाय।
24. समर्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आर्ड०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम०आर्ड०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आर्ड०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- १९ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी संगिति, उत्तराखण्ड कैग्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैग्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 35) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहशहर, दूरभाष /फँक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—192/3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
डैम प्रथम वन प्रभाग,
ठिहरी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 440.18 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	TEHRI DAM1 DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	110	64.68
Contour Trenches	ha	600	60.00
Creation of water bodies	Nos.	200	65.50
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	30	60.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	600	180.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	62.5	10.00
Toatal			440.18

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यव के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहि नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

४

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निवेदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुसूची (SOI) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन गामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरिताका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु गानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राधिकारित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के राष्ट्रेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए रामयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आग-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रगुणता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राधिकारों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व राष्ट्रधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राधिकार विभाग की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अकांक्षा व देशांतर की कैम्पा एमओआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथारागत फोटो भी एगोआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमओआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

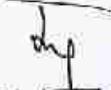
अपर प्रमुख वन संरक्षक /
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 192 / 3-3(5) / 2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रागिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को रादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जे० इस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2016 का 39) की पारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 193 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
डैम वित्तीय वन प्रभाग,
टिहरी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्त पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 200.88 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	TEHRI DAM2 DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	32.5	19.11
Contour Trenches	ha	127	15.88
Creation of water bodies	Nos.	72	30.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	403	135.89
Total			200.88

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित हैं उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम सत्र से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

३

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनेजल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य राक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाए।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले रामरत कार्यों हेतु गानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राधिकारित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासामय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रवर्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनेजल) उत्तराखण्ड अधिनियम (प्रैक्टोरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समरत भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/बिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समर्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राधिकारों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि रो अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गाध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राधिकारी की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. रामरत स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एमोआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासमय फोटो भी एमोआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमोआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- १९३ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

- प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
- अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
- मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० इस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 36) की वारा 10(1) के अंतर्गत गालत शरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 86 राजपुर रोड, देहरादून, दूसाथ/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— १९५ /३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
टिहरी वन प्रभाग,
नई टिहरी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्तीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 280.73 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	TEHRI DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	213.52	75.23
Plantation Maintenance - CA	ha	154.38	18.98
Nursery Maintenance - CA	Nos.	300000	5.67
Nursery Raising - CA	Nos.	59080	5.25
Contour Trenches	ha	80	12.00
Creation of water bodies	Nos.	60	21.50
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	21	58.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	170	51.10
Lantana Removal/Invasive Species	ha	183	33.00
Total			280.73

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:-

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।

२

4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्ता हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुगोदित दर अनुशूली (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तमुरितका के नियमों तथा अन्य राष्ट्रीय आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रखीकृति आवश्यक हों, तो पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय रखीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही गजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किरी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रखीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्ययाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनबॉय पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित गद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गाव्यग से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से यी जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

पत्रांक:- 194 /3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रगुच्छ वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रागिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रगुच्छ वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रगुच्छ वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन मंत्रन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष /फँक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 195 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
देहरादून वन प्रभाग,
देहरादून उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्त पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 649.94 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	DEHRADUN DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	170.82	66.63
Plantation Maintenance - CA	ha	1589.62	198.57
Nursery Raising - CA	Nos.	250000	27.50
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	105	121.77
Contour Trenches	ha	80	8.10
Creation of water bodies	Nos.	5	25.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	40	40.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	1000	50.00
Plantation for soil and water conservation	ha	5	10.00
Percolation pits	ha	200	50.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	150	37.37
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	60	15.00
			649.94

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबन्ध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च रत्तों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।

३

PDF Compressor Free Version

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमवत की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निवेदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्भाल न कराया जाए।
8. निर्माण कर्म हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOH) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से घोषित करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन गाँगों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकरणों की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी रूपीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति राखम रतर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधिकित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उल्लंघनदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को भूमित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा पूर्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए शमयबद्ध/प्रभागी कार्यमाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) गाँग-1 एवं खण्ड-7 (गन होखा नियम) आर्थ-व्यवहार संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्टिकर्मेट) नियमावली, 2017 रूपना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान दर्तामान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा दैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा अन्य कराए न गए हो।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते जाय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-पीनवॉच मोर्टल में अपलोड कर सामयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिकारों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिन की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहामा)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 195 / 3-3(6) / 2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

↑
जे० एस० सुहाग

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 38) यो. घारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्गापाथ/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 196 /3-3(5)/2021-22
सेवा में,

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

प्रभागीय वनाधिकारी,
हरिद्वार वन प्रभाग,
हरिद्वार उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्थीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्थीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 448.51 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

HARIDWAR DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	344.2	134.88
Plantation Maintenance - CA	ha	270	38.59
Nursery Maintenance - CA	Nos.	628000	8.92
Nursery Raising - CA	Nos.	400000	37.40
Contour Trenches	ha	100	12.00
Creation of water bodies	Nos.	16	15.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	10	63.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	100	50.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	100	18.70
Lantana Removal Maintenance	ha	315.25	6.52
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	45	12.50
Sub Total			397.51
JHilmil CR			
Creation of water bodies	Nos.	12	8.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	18	20.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	25	15.00
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	9	8.00
Sub Total			51.00
Total			448.51

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरत्मक वनस्पति निधि अधिनियम-2016' के अन्तर्गत निर्गत प्रतिकरत्मक वनस्पति निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्थीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्थीकृत मर्दों में ही क्रिया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण रवर्ध उत्तरदायी होंगे।
- जिन कार्यों के संघादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्थीकृत प्राप्त की जाय। स्थीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
- उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
- प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं नियन्त्रित किया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
- कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्थीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
- निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOI) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्याय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्थीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्थीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
- कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु गठित दर के अनुसार ही सजाती का भुगतान किया जाए।
- आगणन में प्राविधिकारी डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वाधिकारी एवं बन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्थीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्थीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्याय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्थीकृति को गिरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
- प्रभागीय तथा वृता स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबंधन के लिए समयबद्ध/प्रभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
- किसी भी शासकीय व्याय हेतु वित्तीय नियम संग्रह-1 (वित्तीय अधिकारी का प्रतिनिधायन निधि) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (बन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टोरमेट) नियमावली, 2017 शूचना ग्रौटोग्राफी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षात नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती मह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
- उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रदलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
- सबक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए जा गए हों।
- प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
- कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का सांकेतिक विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्याय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
- तृक्षारोपण एवं अन्य स्थानीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाये।
- सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनवॉच पोर्टल गैं अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, बन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय बन अधिनियम 1927 के प्राविधिकारों का अनुपालन किया जाय।
- व्यय की अधिकतम रीसा कैस्टा निधि की स्थीकृत कार्ययोजना व संबंधित भद्र की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विभिन्न व अन्य मूल्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक व्यय भार/दायित्व सुनिश्चित किया जाय।
- कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणतात्त्व से सम्बन्धित अन्तर्गत सम्पादित किया जाय।
- समस्त स्थल विशेष कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एस०आई०एस० में प्रविष्टि राग्यबद्ध रूप से की जाय राशा सापादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो गी एस०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।

PDF Compressor Free Version

25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

ज००

(ज०० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- १९६ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

ज००

(ज०० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

**उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण
(उत्तराखण्ड कैम्पा)**

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 36) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन शब्दन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष /फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— १०७ /३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,

लैंसडौन वन प्रभाग,

लैंसडौन उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निमानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 366.71 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		LANSOWNE DIVISION	
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation Maintenance - CA	ha	8.53	1.39
Nursery Maintenance - CA	Nos.	130000	8.87
Contour Trenches	ha	585	69.03
Creation of water bodies	Nos.	37	65.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	7	89.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	354	42.46
Lantana Removal/Invasive Species	ha	375	90.96
TOTAL			366.71

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राक्षिधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित हैं उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।

५

5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाए।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम रत्तर से प्राप्त करने एवं नियित प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम रत्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम रत्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रवीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं गात्राओं हेतु संबंधित प्रशागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी हों।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रखीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निररत कर गथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रशागीय तथा गृह स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्यवक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रिक्योरिमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुकर्ता माछ की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रशागीय वनाधिकारी/सक्षम रत्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाए।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविहत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, सुवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-पीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. गन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि रो अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/साधित सुजित किया जाय।
23. कार्यों का डियान्तर्यन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर ली कैम्पा एमओआईएस० में प्रविष्टि रागयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एमओआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमओआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- १९३ /३-३(५) /२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

Up

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 39) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 198/3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
भू० सं० वन प्रभाग,
लैंसडौन उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निमानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 314.505 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	LANSOWNE SC DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation Maintenance - CA	ha	61.79	6.20
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	70	51.79
Contour Trenches	ha	100	20.00
Creation of water bodies	Nos.	33	10.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	15	75.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	547	141.52
Lantana Removal/Invasive Species	ha	40	10.00
TOTAL			314.505

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का काल दिया जाए। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में नियम नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधिकों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिव॰धित मदों/गतिविधियों में कदाचित् न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

5

6. प्रशारानिक एवं वित्तीय स्वीकृति संकाम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सांगिणीयों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का संक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतापुस्तिका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य राखग प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, गें पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति राखग स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु भागक दर के अनुसार ही भजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम रांग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधित्वन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टिकोरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का गारिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/संक्षम स्तर सुराचैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने रो पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना य संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि रो अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य नायम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सुजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. रागरत रथल विशिष्ट कार्य की अक्षोण व देशांतर की कैम्पा एमओआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बद्ध फोटो भी एमओआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमओआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा



पत्रांक:- १९८ /३-३(५) /२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढबाल जौन, उत्तराखण्ड को रूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, शिवालिक बृता, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष / फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 199/3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

ग्रन्थालय वनाधिकारी,

भू० सं० वन प्रभाग,

कालसी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 324.12 लाख की धनराशि अवगुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	KALSI SC DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	90.19	35.34
Plantation Maintenance - CA	ha	193.59	24.18
Nursery Maintenance - CA	Nos.	275551	19.62
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	95	73.11
Contour Trenches	ha	415	39.60
Creation of water bodies	Nos.	19	7.05
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	27	24.25
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	539	80.00
Percolation pits	ha	9	0.90
Lantana Removal/Invasive Species	ha	100	18.68
Lantana Removal Maintenance	ha	37.52	0.49
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	9	0.90
Total			324.12

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिवर्धित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।

5

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्ता की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्तर सुन्दरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर आपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की रक्षण स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना राक्षण स्तर की रक्षण के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्णय कार्य हेतु अनुगोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का राक्षण/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी नहीं स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में ग्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं उन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को इकाये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत गूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाए।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए राग्यबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम खण्ड-5 (लेखा नियम) गण-1 एवं खण्ड-7 (गण होखा नियम) आय-चयक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) सत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षात नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइश लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संघालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाज के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनयोंच पोर्टल में अपलोड कर राग्यबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, उन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्रविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीधा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मर की स्वीकृत धनराशि रो अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक वित्तीय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समान्तराल सम्पादित किया जाय।
24. समर्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के स्थासम्य फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भयदीय,
J

(जे० एस० सुहाय)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 199 /3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं नितीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, शिवालिक वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राथिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन गवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूस्माष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 202 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक,

03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
नरेन्द्रनगर वन प्रभाग,
मुनीकिरेती उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 791.28 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		NARENDRA NAGAR DIVISION		
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)	
Plantation - CA	ha	62.13	21.89	
Plantation Maintenance - CA	ha	1716.52	197.61	
Nursery Maintenance - CA	Nos.	583000	24.66	
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	174	91.04	
Contour Trenches	ha	180.3	45.30	
Creation of water bodies	Nos.	59	22.62	
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	37	40.50	
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	1409	147.09	
Plantation for soil and water conservation	ha	140	125.00	
Percolation pits	ha	57	5.13	
Lantana Removal/Invasive Species	ha	300	57.00	
Lantana Removal Maintenance	ha	170	4.44	
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	20	9.00	
Total			791.28	

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदाचित् न किया जाय।

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्थान उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पीआर अपेक्षित है उक्त डेटु डी०पीआर तैयार कर कार्य प्रासन्न करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पीआर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं नियमा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्भव न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, तो पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले रामस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधिकित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय दनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरवाची होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व वह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदलत स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रक्रमी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-द्येवक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय दनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व वह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न यए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का लोड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा हारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिकों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संविधित गद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक विभागीय की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समर्थनात्मक सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा राम्यादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:— २०८ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, भागीरथी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 261 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
गढ़वाल वन प्रभाग,
उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 441.56 लाख की धनराशि अवगुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

GARHWAL DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	56.01	25.87
Plantation Maintenance - CA	ha	424.24	76.13
Nursery Maintenance - CA	Nos.	212054	10.60
Nursery Raising - CA	Nos.	234000	23.40
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	95	88.32
Contour Trenches	ha	77	90.00
Creation of water bodies	Nos.	120	29.40
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	5	22.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	330	63.75
Lantana Removal Maintenance	ha	80	6.59
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	25	5.00
Total			441.56

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवगुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित ग्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबन्ध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।

१

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्ता की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न सम्पादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सहाम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रगामी वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विगामीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रखीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरसा कर यथासमय इस कार्यालय को राखित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रवर्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमैट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्ररतावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य रथलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीगा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की रखीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गाव्यग रो अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एग०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथाराग्रह फोटो भी एग०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

PDF Compressor Free Version

पत्रांक:— 201 / 3-3(6) / 2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी संगठित, उत्तराखण्ड कैम्पा को सात्र सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, भागीरथी घृत, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

ॐ

(ज०० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 36) की घारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन बग्न, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूसाथ/फैक्स: 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website: www.ukcampa.org.in

पत्रांक—202/3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
सिविल सोयम वन प्रभाग,
पौड़ी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 258.26 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

PAURI CS DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	68	13.26
Contour Trenches	ha	50	5.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	10	140.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	200	100.00
Total			258.26

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधिकानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अग्रिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित हैं उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम रत्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय उत्तरपुरिताका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय

अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।

9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगामन में प्राविधिकानि डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत हैं तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रमाणीकार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधित्वात्मक नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (तन लेखा नियम) आय-वायक संबंधी नियम (वजट गेनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्टिकर्मेट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक बलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्यावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में रथल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संषिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य रथलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनसानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनबॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. बन्धजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीग कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गार्डन से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समरत रथल विशेष कार्य की अदाश व देशांतर की कैम्पा एमोआई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बद्ध फोटो भी एमोआई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमोआई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जै० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

(जै० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 202 / 3-3(5) / 2021-22 दिनांकित प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर रूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, गढ़वाल वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2016 का 38) की द्वारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 शाजपुर रोड, देहसादून दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 203 /3-3(5)/2021-22
सेवा में,

दिनांक, 32 जुलाई, 2021

प्रभागीय वनाधिकारी,
बद्रीनाथ वन प्रभाग,
बद्रीनाथ सत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्न पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 263.20 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	BADRINATH DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	151.38	69.92
Plantation Maintenance - CA	ha	257.67	36.98
Nursery Maintenance - CA	Nos.	159033	4.77
Nursery Raising - CA	Nos.	209318	20.93
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	60	33.00
Contour Trenches	ha	220	22.00
Creation of water bodies	Nos.	75	24.90
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	44	30.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	180	18.00
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	27	2.70
Total			263.20

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रतिष्ठि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018 में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकरण खबर उत्तरदायी होंगे।



4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उवरा हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाए। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाए।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुपादित दर अनुसूची (S08) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट गैनुअल, वित्तीय हरतपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शाराकीय अथवा अन्य सक्षम प्राचिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में ऐहले ऐसी रखीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाए।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान दिया जाए।
10. आगणन में प्राचिकारी दिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाए।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक रांगड़ी नियम (बजट गैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती गाह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समरत भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाए।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रतावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविहत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में गनतो हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. राष्ट्रादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाए।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की रखीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से रामयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समरत रथल विशेष कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २०३ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रागिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, गढवाल वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
१ उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)
वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूसाप/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—204 / 3-3(5) / 2021-22
सेवा में,

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

प्रभागीय वनाधिकारी,
भू० सं० वन प्रभाग,
अलकनन्दा उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथग चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निमानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 286.46 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	ALAKNANDA SC DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	8	8.45
Plantation Maintenance - CA	ha	5.81	0.16
Nursery Maintenance - CA	Nos.	14805	0.61
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	30	13.50
Contour Trenches	ha	250	50.00
Creation of water bodies	Nos.	75	25.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	56	43.74
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	200	85.00
Pasture Development	ha	67	60.00
Total			286.46

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबन्ध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत गदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर ग्रात अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कारों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कारों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।

३

5. उत्तराखण्ड अधिप्रान्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया रो बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की रवीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOI) आधार पर गठित आगरन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मागलों में बजट गैनुअल, वित्तीय हस्तपुरिति को नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत राम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही भजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगरन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रवीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरसा कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्रान्ति (प्रैक्योरमैट) नियमावली, 2017 रूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शारनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन रुचित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विशिष्ट Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई ग्रीनबॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा मारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीति कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गार्हणा रो अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा राम्पादित कार्यों के यथासम्बन्धीय भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा



पत्रांकः— 204 /3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, गढवाल वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

T
Dy

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक /

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

② उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, वेहरानगर, दूरभाष / फ़ैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—205/3-3(5)/2021-22

दिनांक. 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग,
रुद्रप्रयाग उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में रवीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 618.67 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	RUDRAPRAYAG DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	351.78	150.88
Plantation Maintenance - CA	ha	348.41	55.14
Nursery Maintenance - CA	Nos.	425000	12.75
Nursery Raising - CA	Nos.	455000	45.50
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	100	93.00
Contour Trenches	ha	100	20.00
Creation of water bodies	Nos.	50	50.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	15	50.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	766	118.40
Percolation pits	ha	100	3.00
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	8	20.00
Total			618.67

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिवधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।

५

4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्ता हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य राग्यन न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों तथा अन्य राधारी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत राग्यादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन सरकार पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि रांडित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सुनिश्चित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रवधान के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यालयी सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम रांगह खाड़-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिवायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक रांगड़ी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक वलासीफाइल लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समर्त कार्यों में स्थल पर हस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-रामारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. राग्यादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनबैच पोर्टल में अपलोड कर राग्यबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. बन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन रांगमान अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्यपोलाना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गांध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समर्पित सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(ज्यो एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २६५ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन रांगड़क, गढ़वाल वृता, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

मेरा
लिखा

(जौ० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
१० उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राथिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 39) की घारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—206 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 63 जुलाई, 2021

सेवा में,

ग्रभागीय वनाधिकारी,
अपर यमुना वन प्रभाग,
बड़कोट उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 170.61 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	UPPER YAMUNA DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	15.79	7.13
Plantation Maintenance - CA	ha	269.51	31.70
Nursery Maintenance - CA	Nos.	661891	22.24
Nursery Raising - CA	Nos.	30000	1.78
Contour Trenches	ha	125	16.25
Creation of water bodies	Nos.	79	31.60
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	27	18.60
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	125	37.50
Lantana Removal/Invasive Species	ha	70	3.81
Total			170.61

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में नियम नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्त:-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबन्ध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकरण रवय उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर आपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।



5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति संक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की संक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना राक्षण स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का संक्षम/प्राधिकृत रत्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतामुखिया के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य राक्षण प्राधिकारी की रवीकृति आवश्यक हो, मैं पहले ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति संक्षम रत्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्य हेतु गानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी हों।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित करा लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रत्तीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रत्तीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त करा यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा चूत स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रकारी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) गां-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 रूपना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लारीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा विधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/संक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रत्यावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड करा समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकताता रीणा कैम्पा विधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की रत्तीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गद्यग से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय गार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत राप्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे०-स० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा



पत्रांक:- 206 /3-3(5) /2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, यमुना वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

Trip

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
S उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राथिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष /फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampaa.org.in

पत्रांक—207 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
चक्राता वन प्रभाग,
चक्राता उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्त पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 484.01 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	CHAKRATA DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	94.86	33.42
Plantation Maintenance - CA	ha	290.25	37.11
Nursery Maintenance - CA	Nos.	453000	19.16
Nursery Raising - CA	Nos.	260000	28.00
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	70	48.75
Contour Trenches	ha	1750	67.57
Creation of water bodies	Nos.	47	50.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	20	30.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	330	55.00
Plantation for soil and water conservation	ha	30	30.00
Percolation pits	ha	100	50.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	100	15.00
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	20	20.00
Total			484.01

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुगम्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही गजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में ग्राहितान्वित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रगामीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित करा लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह छप्प-१ (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह छप्प-५ (लेखा नियम) भाग-१ एवं छप्प-७ (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्टोरमैट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइश लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल गांधीम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रैनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित गद की रवीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय गार/दायित्व रूपित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समर्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एग०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के पथासम्बद्ध फोटो भी एग०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एग०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० ए० ए० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 207 / 3-3(5) / 2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को रादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, यमुना वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि आयोग, 2016 (2016 का 36) की घारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—208 / 3-3(5)/2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
मसूरी वन प्रभाग,
मसूरी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवगुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में खीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर खीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निमानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 407.91 लाख की धनराशि अवगुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

MUSSOORIE DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation Maintenance - CA	ha	93.11	11.02
Nursery Maintenance - CA	Nos.	6000	0.24
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	65	44.00
Contour Trenches	ha	305	51.25
Creation of water bodies	Nos.	30	15.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	28	48.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	680	107.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	267	40.00
Lantana Removal Maintenance	ha	248	9.92
Pasture Development	ha	28	25
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	3	0.75
TOTAL			352.18
BINOQ WLS (Mussoorie FD)			
Contour Trenches	ha	20	5.00
Creation of water bodies	Nos.	12	1.60
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	30	28.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	52	10.40
Percolation pits	ha	8	2.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	18	3.33
Lantana Removal Maintenance	ha	100	2.60
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	4	2.80
Total			55.73
All Total			407.91

12

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं गौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अंतर्राष्ट्रीय वनस्पति नियम अधिनियम-2018' के अन्तर्गत निर्गत प्रतिक्रान्ति वनस्पति नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकारण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है चक्र हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम रत्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
- उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
- प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम रत्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
- कार्य की सक्षम रत्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम रत्तर की रवीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
- निर्भय कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत रत्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मागलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुस्तिका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रवीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम रत्तर से प्राप्त की जाय।
- कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित लकारे जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
- आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय बनाधिकारी एवं वन संस्करण पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित करा लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रवीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर धथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
- प्रभागीय तथा वृत्त रत्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यालयी सुनिश्चित की जाय।
- किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम साप्हर खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिभिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (यन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षित नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुकूली माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
- उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रबंधित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्भय अनुसार प्रभागीय बनाधिकारी/सक्षम रत्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
- उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
- प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
- कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकिता डॉ। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
- वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाये।
- सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-पीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।

PDF Compressor Free Version

22. व्याय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्थीकृत कार्ययोजना न संबंधित मद की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से असिरियुत धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/तापित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता रो रामयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समर्त रथल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बंध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २०८ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, यमुना बृत, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

T
Jy

(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहसादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक— 209 / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
टॉस वन प्रभाग,
पुरोला उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत गदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 107.33 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	TONS DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	58.51	20.62
Plantation Maintenance - CA	ha	261.29	30.31
Nursery Maintenance - CA	Nos.	1	15.00
Contour Trenches	ha	190	19.00
Creation of water bodies	Nos.		
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	25	20.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	48	2.40
Total			107.33

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत गदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित गदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्य हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

5

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय रखीकृति संक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा घोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की संक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय रखीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना संक्षम स्तर की रखीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का संक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुरितका के नियमों तथा अन्य रथाधी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य संक्षम प्राधिकारी की रखीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी रखीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय रखीकृति संक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समर्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राधिकारित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी हों।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रखीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को खुलिया किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य रुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक वलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समर्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/संक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/ जिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह रुनिश्चित किया जाए कि प्रत्यावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रत्यावित कार्यों का विधेवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षेप विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाजों के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉर्क पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. बन्धजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिकारों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीगा कैम्पा निधि की रखीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की रखीकृत धनराशि रो अधिक किसी भी दशा में न हो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विद्युयोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समर्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एमआईएस० में प्रविष्टि राग्यबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एमआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 209 / 3-3(5) / 2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष—कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, गढवाल जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, यमुगा वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जी० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2010 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष /फ़ैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—**२१०** / ३-३(५) / २०२१-२२

दिनांक. **०३** जुलाई, २०२१

सेवा में,

निदेशक,
राजाजी राष्ट्रीय पार्क
देहरादून, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 391.89 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

RAJAJI NATIONAL PARK			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Contour Trenches	ha	50	23.50
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	6	25
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	300	46.05
Lantana Removal/Invasive Species	ha	1000	246
Lantana Removal Maintenance	ha	542	21.34
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	20	30.00
			391.89

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविस्ति रुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन रुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन रुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
- उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे दुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय उत्तरपुरितिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम रत्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु गानक दर के अनुसार ही गजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रवीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिनियम (प्रैक्टिकोरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक वलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनगणना, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एमओआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथाराम्भ फोटो भी एगोआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमओआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

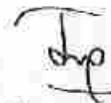
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २१८ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, बन्यजीव उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।



(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष / फ़ैकरा : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—२ ।। / ३-३(५) / २०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

उप निदेशक,
नन्दादेवी राष्ट्रीय पार्क
जोशीमठ, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवगुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 291.14 लाख की धनराशि अवगुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	NANDADEVI NATIONAL PARK	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	100.19	40.03
Plantation Maintenance - CA	ha	555.44	37.92
Contour Trenches	ha	110	12.49
Creation of water bodies	Nos.	44	20.20
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	8	30.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	172	95.30
Plantation for soil and water conservation	ha	10	5.00
Percolation pits	ha	10	5.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	273	30.00
Lantana Removal Maintenance	ha	100	7.25
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	14	7.95
Total			291.14

कृपया अवगुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवगुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:-

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवगुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवगुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आवेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।

५

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिकारिय नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बदने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं दिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सापेक्ष न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतपुरितका के नियमों तथा अन्य राजीवी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अधिकारी अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही गजदूरी का गुणतान किया जाए।
10. आगणन में प्राक्षिपित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं तग संस्थक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि रावधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं से पूर्व से स्वीकृत नहीं हैं। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाए।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. वित्तीय शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संप्र॒५-१ (वित्तीय अधिकारी का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-५ (लेखा नियम) भाग-१ एवं खण्ड-७ (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संस्थानीय नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिकारिय (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 रूपना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक वलासीफाइल लेखा प्रत्येक अनुकूली माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/बिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित विश्वा जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अधिकारी कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रगुच्छा से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाज के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आभासित किया जाये।
20. साम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-पीनवोंच पोर्टल में अपलोड कर रामयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित गद की रावीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अलिंगित धनराशि/प्रविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च मुण्डता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. सामरत स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा राम्यादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे०-र०८० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संस्थक/

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 211 /3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी राजिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को रादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

मेरि

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्घाथ/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक-212 /3-3(5)/2021-22
सेवा में,

दिनांक, 03 जुलाई, 2021

प्रभागीय वनाधिकारी,
केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग,
गोपेश्वर, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में रखीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्न पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के गौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 322.30 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	KEDARNATH DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	105.06	36.98
Plantation Maintenance - CA	ha	608.15	87.19
Nursery Maintenance - CA	Nos.	141000	5.64
Nursery Raising - CA	Nos.	215000	19.35
Contour Trenches	ha	353	45.90
Creation of water bodies	Nos.	69	33.10
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	8	10.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	220	44.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	223	40.14
Total			322.30

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं गौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधिक एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदाचित् न किया जाय।
- भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी रक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
- उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
- प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे दुकड़ों में न बांटा जाए।

5

7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की रखीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुगोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रखीकृति आवश्यक हों, गें पहले ऐसी रखीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रखीकृति को निरत कर गथासमय इस कार्यालय को सुनिश्चित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधान नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रियोरिटी) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का गासिक क्लारीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रत्यावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तोधित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृधारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनार्गेच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की रखीकृत कार्ययोजना व राबंधित गद की रखीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासमाव फोटो गी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

मवदीय,

(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २१२ /३-३(५)/२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।


(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष / फँक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—**213** /3-3(5)/2021-22

दिनांक, **03** जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
कालागढ टाइगर रिजर्व,
उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 284.74 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		KALAGARH TIGER RESERVE	
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Creation of water bodies	Nos.	4	65.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	90	27.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	730	97.27
Lantana Removal Maintenance	ha	795.17	83.27
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	23	12.20
TOTAL			284.74

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018 में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अग्रिकरण रखये उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु ₹10पी0आर अपेक्षित है उक्त हेतु ₹10पी0आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत ₹10पी0आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राक्षण रत्तर से प्राप्त करने एवं निवादा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।

3

8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मागलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु गानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्रविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रवीकृत है तो कार्य के राष्ट्रेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रवीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए रागयबद्ध/प्रभागी कार्यालयी सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कल्डाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्यावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत राप्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि रागयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- ३१३ /३-३(५)/२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :- १ प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी संगिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।

2 अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

3 मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक वर्गर्याही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण (उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूसराष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—**214** / 3-3(5)/2021-22

दिनांक, **03** जुलाई, 2021

सेवा में,

निदेशक,
कॉर्बेट टाईगर रिजर्व
रामनगर, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 803.10 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		CORBETT TIGER RESERVE	
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Creation of water bodies	Nos.	11	95.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	65	440.00
Lantana Removal/Invasive Species **	ha	2896	164.37
Lantana Removal Maintenance	ha	625.96	47.48
Pasture Development	ha	425	21.25
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	25	35.00
TOTAL			803.10

** प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा के निर्देशानुसार लैंटाना उन्मूलन गद में वर्तमान में 50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त की जा रही है। वर्ष 2021-22 के अंतर्गत लैंटाना उन्मूलन/इनवेजिव स्पीशीज मद में प्रभाग द्वारा की गई मांग की, प्रभाग की 10 वर्षीय कार्ययोजना/प्रबंध योजना से पुष्टि कराए जाने की अपेक्षा की गई है। तदनुसार सूचना/रिपोर्ट इस कार्यालय को उगालब्ध कराएं। लैंटाना उन्मूलन/इनवेजिव स्पीशीज मद की शेष धनराशि प्रमुख वन संरक्षक महोदय की अपेक्षानुसार प्रभाग की 10 वर्षीय कार्ययोजना/प्रबंध योजना से लक्ष्यों की पुष्टि होने के उपरान्त अवगुक्त की जायेगी।

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मांगकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

- भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमाली - 2018' में उल्लिखित प्राविद्यानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।

५

3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्ता की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु ३००पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु ३००पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाए। स्वीकृत ३००पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिकारित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का प्रालन किया जाए।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निवेदा प्रक्रिया से बचने के लिए रामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना राक्षग स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य राम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्भाग कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हरतपुरितका के नियमों तथा अन्य रथयी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, मैं पहले ऐसी रवीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाए।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु भागक दर के अनुसार ही गजदूरी का मुगतान किया जाए।
10. आगणन में ग्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संस्थाक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यनि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रखीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाए तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाए।
12. प्रभागीय तथा धूत स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधित्वन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिकारित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कलाई से अनुसालन सुनिश्चित किया जाए।
14. कैम्पा के अन्तर्गत अवंटित धनराशि का मासिक वलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुकूली माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाए।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाए।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाजों के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाए।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-शीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाए।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाए।
22. व्यव की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यव किया जाय और न ही पुनर्वैनियोग व अन्य भाध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यव भार/दायित्व रूपित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च सुणियता से सम्यान्तरा राम्पादित किया जाए।
24. समस्त स्थल विशेष कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाए तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बद्ध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में राम्पयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २१५ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

४४

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की घारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड़, देहरादून, रुग्गाप/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—२१८ /३-३(५) /२०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

उप निदेशक,
गोविन्द वन्यजीव विहार

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में रवीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्तीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 53.00 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	GOVIND WLS	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Creation of water bodies	Nos.	12	12.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	150	22.50
Lantana Removal/Invasive Species	ha	250	12.50
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	7	6.00
Total			53.00

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबन्ध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं नियंत्रित क्रियाएँ से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्गत कार्य हेतु अनुगोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्य जिन मामलों में बजट मैत्रुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति अवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।



9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगामन में प्राविधिकित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्थीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्थीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्थीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृक्ष स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबल्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम रांग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनेबल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि ला कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुकूली माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/संकाय स्तर द्वारा चैक/RTGS/बिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधितत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, सुवार्षों, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर रामयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्थीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समर्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समरत स्थल विशेष कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि रामयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २१५ / 3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रगुण वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रगुण वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

रूप

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राथिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि आधिनियम, 2016 (2016 का 39) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक- २५६ /३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

उप निदेशक,
गंगोत्री राष्ट्रीय पार्क,

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत सिमिल गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 370.75 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		GANGOTRI NATIONAL PARK	
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Contour Trenches	ha	20	2.00
Creation of water bodies	Nos.	114	38.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	48	50.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	790	168.50
Lantana Removal/Invasive Species	ha	654	98.10
Lantana Removal Maintenance	ha	41	6.15
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	9	8.00
Total			370.75

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रतिष्ठि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि आधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राकिधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबन्ध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर ग्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति संक्षम रत्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्यों की संक्षम रत्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना संक्षम रत्तर की स्थीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कर्म हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOI) आधार पर गठित आगणन का संक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य रथाशी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य संक्षम प्राधिकारी की स्थीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्थीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्थीकृति संक्षम रत्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सापादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का गुणतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं बन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्थीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्थीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्थीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (बन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमातली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन रुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुकूली भाष्ट की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/संक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाज के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, बन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय बन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्थीकृत कार्ययोजना व संबंधित गद की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सापादित किया जाय।
24. रागत रथल विशेष कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि रागयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जेठ ईस० सुहाग)

अपर प्रमुख बन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- ३१६ /३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।

म
(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2010 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहशावून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक- २१७ /३-३(५)/२०२१-२२
सेवा में,

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

प्रभागीय वनाधिकारी,
तराई केन्द्रीय वन प्रभाग,
हल्द्वानी, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्थीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्थीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निर्देशानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 122.72 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		TARAI CENTRAL DIVISION	
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	8.9	3.01
Plantation Maintenance - CA	ha	158.38	23.75
Creation of water bodies	Nos.	7	10.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	5	12.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	3	9.50
Lantana Removal/Invasive Species **	ha	960.68	51.18
Lantana Removal Maintenance	ha	78.4	4.78
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	13	8.00
Total			122.72

** प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा के निर्देशानुसार लैटाना उन्मूलन मद में वर्तगान में 50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त की जा रही है। वर्ष 2021-22 के अंतर्गत लैटाना उन्मूलन/इनवेजिव स्पीशीज मद में प्रभाग द्वारा की गई मांग की, प्रभाग की 10 वर्षीय कार्ययोजना/प्रबंध योजना से पुष्टि कराए जाने की अपेक्षा की गई है। तदनुसार सूचना/रिपोर्ट इस कार्यालय को उपलब्ध कराए। लैटाना उन्मूलन/इनवेजिव स्पीशीज मद की शेष धनराशि प्रमुख वन संरक्षक महोदय की अपेक्षानुसार प्रभाग की 10 वर्षीय कार्ययोजना/प्रबंध योजना से लक्ष्यों की पुष्टि होने के उपरान्त अवमुक्त की जायेगी।

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण ग्रविस्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक बनसपण नियम अधिनियम-2018' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक बनसपण नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधिनों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरांत स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जाएँ। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण रवर्द्ध उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के भंगादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्ता हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का धारणा किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं नियमा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की गांत्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुमूल्यी (SOR) आधार पर गठित आगामन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय इस्तपुरितियों के नियमों तथा अन्य रथाधी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सदाम प्राधिकारी की स्वीकृति अवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अंतर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का मुग्तान किया जाए।
10. आगामन में प्राविधिकारिता डिजाइन एवं मान्याओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि रांबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व रो स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अंतर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्राप्त स्वीकृति को निरस्त कर ग्राहात्मक इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबलान् के लिए समयबद्ध/प्राप्तवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्षियोरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अंतर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा नियम के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त मुग्तान वर्तमान प्रबलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा बैक/RTGS/ डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं से प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा नियम के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाय।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिनों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीता कैम्पा नियम की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गत्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक विभागीय विभागीय व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से रामयन्तर्गत सम्पादित किया जाय।

PDF Compressor Free Version

24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम0आई0एस0 में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथाराग्य फोटो भी एग0आई0एस0 में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम0आई0एस0 में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे0 एस0 सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- ३१७ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रगृख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सावर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन रांक्षक, पश्चिमी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे0 एस0 सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की घास 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड़, देहरादून, दूर्घाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक २८ / ३-३(५) / २०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
तराई पश्चिमी वन प्रभाग,
हल्द्वानी, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम वरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत सुनिश्चित गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 140.43 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

TARAI WEST DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation Maintenance - CA	ha	76.3	12.88
Nursery Maintenance - CA	Nos.	1	20.00
Creation of water bodies	Nos.	8	20.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	104	52.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	285	35.55
Total			140.43

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उलिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण रखयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृत प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशारानिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से ग्राप्त करने एवं निधिवा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों त कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।

३

7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय रखीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की रखीकृति के कोई कार्य राष्ट्रपति न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मानकों में बजट गैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रखीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी रखीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय रखीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत राष्ट्रपति कराये जाने वाले रागत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रखीकृत नहीं है। यदि कार्य किरी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रखीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्थीकृति को निरस्त कर यथासम्भव इस कार्यालय को सुनिश्चित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा गृह स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधानन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट गैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहि (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविधत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थनीय जनगणना, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीगा कैम्पा निधि की रखीकृत कार्ययोजना व रावधित मद की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का लियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २१६ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, पश्चिमी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

JP

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 38) की घारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्गापाथ/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—**२१९** /३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, **०३** जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
तराई पूर्वी वन प्रभाग,
हल्द्वानी, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रतर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 358.48 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	TARAI EAST DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation Maintenance - CA	ha	1032.85	160.85
Nursery Maintenance - CA	Nos.	207485	6.18
Nursery Raising - CA	Nos.	62000	5.12
Creation of water bodies	Nos.	68	34.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	86	79.25
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	144	64.80
Lantana Removal/Invasive Species	ha	64	8.28
Total			358.48

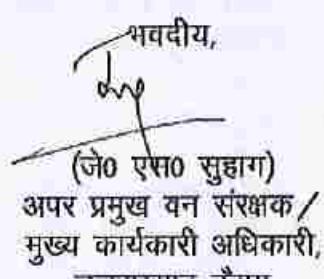
कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली – 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रवंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च सतरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आवेदनों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिवधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सकाम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।

३

5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति रक्षण स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना रक्षण स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य रक्षण प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किरी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रागवीकार्यालयी सुनिश्चित रूप से जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का भासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविधत Documentation पिया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन रांगन अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीग कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित गद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गार्ड्यों से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- ३१९ / ३-३(६) / २०२१-२२ दिनांकित प्रतिलिपि :-

- प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
- अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
- मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जोन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- वन संरक्षक, पश्चिमी हिमालय, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2010 (2010 का 38) की घास 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन मंदन, 86 राजपुर रोड, देहरादून, दूसाथ/फ़ैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक ३२० /३-३(५) / २०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
रामनगर वन प्रभाग,
रामनगर उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय के ऋग्म में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत गाँड़ों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 482.90 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	RAMNAGAR DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	4	1.18
Contour Trenches	ha	113	13.56
Creation of water bodies	Nos.	173	18.60
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	14	94.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	274	107.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	1229	184.35
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	18	9.00
Sub Total			427.69
PAWALGARH CR			
Contour Trenches	ha	30	3.21
Creation of water bodies	Nos.	6	6.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	6	20.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	28	14.00
Lantana Removal/Invasive Species	ha	60	9.00
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	4	3.00
Sub Total			55.21
Total			482.90

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

३

नियम एवं शर्तें:-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरणका बनस्पति निधि अधिनियम-2016' के अन्तर्गत निर्गत प्रतिकरणका बनस्पति निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वासिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरांगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिवधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में करारे गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं नियमावली के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।

7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्थीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुशुल्क (SOP) आधार पर मारित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट ऐनुअल, वित्तीय हस्तापुरिताका के नियमों तथा अन्य रक्षायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्थीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैपा योजना के अन्तर्गत राष्ट्राधित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही गंभीरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधिक डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रखीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्थीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्थीकृति को निरस्त कर रक्षासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय व्यय हेतु उत्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए संग्रहबद्ध/प्रभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-१ (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-५ (लेखा नियम) भाग-१ एवं खण्ड-७ (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट ऐनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्यारमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक ब्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/STGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का वोई अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. बृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर रक्षाबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. दन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा मारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि वर्ग स्वीकृत कार्ययोजना थ संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग थ अन्य व्यायम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक विभाशा में कोई व्यय भर/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।

PDF Compressor Free Version

24. समरत रथल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की फैसला एमओआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एमओआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमओआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,


(जै० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २२० / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकितप्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रामिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, पश्चिमी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जै० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nlc.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—**३२१** /३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, **०३** जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
हल्द्वानी वन प्रभाग,
हल्द्वानी उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 222.32 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	HALDWANI DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	40	11.55
Nursery Maintenance - CA	Nos.	68	13.13
Nursery Raising - CA	Nos.	265000	42.72
Contour Trenches	ha	84	7.57
Creation of water bodies	Nos.	38	25.10
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	18	19.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	163	28.32
Lantana Removal/Invasive Species	ha	372.05	61.43
Sub Total			209.32
		NANDHAUR WLS (Haldwani FD)	
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	15	10.00
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	4	3.00
Sub Total			13.00
Total			222.32

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिक्रान्त क बनायेण निधि अधिनियम-2016' के अन्तर्गत निर्गत 'प्रतिक्रान्त क बनायेण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही क्रिया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरांगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदम पि न किया जाय।
3. मौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की मई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संचादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राशग रतर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं विना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन सामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शारीरीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी रखीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत राष्ट्राधित कराये जाने वाले संग्रह कार्यों हेतु गमनक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व इह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृति नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदर्शन स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वग लेखा नियम) आय-व्यवक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रैक्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक फ्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले सामस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTDS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित "भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत सामस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराये जाने का वर्ष तथा व्यय स्थानराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संचादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाजोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थलीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं,आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर रामयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व राबिधित गद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न भी पुणिगियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत राष्ट्राधित किया जाय।

PDF Compressor Free Version

24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की आकृति व देशांतर की कैम्पा एमोआईएस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाए तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एमोआईएस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमोआईएस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- ३२१ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकितप्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अद्यक्ष-कार्यकारी संगिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को रादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रगुण वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, पश्चिमी वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्घाष / फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक-~~222~~/3-3(5)/2021-22

दिनांक,

जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
नैनीताल वन प्रभाग,
नैनीताल, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रगांग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवृटित करते हुए कुल ₹ 383.36 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

NAINITAL DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	50.22	17.98
Plantation Maintenance - CA	ha	259.88	29.11
Nursery Maintenance - CA	Nos.	200000	2.00
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	150	113.40
Contour Trenches	ha	315	28.35
Creation of water bodies	Nos.	142	63.60
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	9	7.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	397	85.40
Lantana Removal/Invasive Species	ha	355	33.02
Sub Total			380.36
NAINADEVI CR			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	4	3.00
Sub Total			3.00
Total			383.36

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रतिष्ठित सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिक्रात्मक बनरोपण निधि अधिनियम-2018' के अन्तर्गत निर्गत प्रतिक्रात्मक बनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संषोदन हेतु ढी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु ढी०पी०आर तैयार कर कार्य प्राप्तम् करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय रखीकृति रक्षण स्तर से प्राप्त करने एवं नियमावली प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं दिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOI) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राधिकारित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं बन संसाक्ष पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्य से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रखीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाए।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबंधन के लिए समयबद्ध/प्रभागीय कार्ययोगी सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधारण नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (बन लेखा नियम) आय-व्यवह संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षित नियम, शासनादेश आदि का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर हस आशय का लोड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिविधियों, स्थलीय जनमानस, गुवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. अन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, बन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा गारतीय बन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गारतीय व अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय गार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणकला से सम्पादित किया जाय।

24. रागरत रथल विशिष्ट कार्य की अकांश व देशांतर की कैम्पा एमोआई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एमोआई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एमोआई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,


(ज्यो एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक— ३२२ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी रागिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, बन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. गुरुव्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(ज्यो एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा



उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की वारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्घाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक **223** / 3-3(5) / 2021-22

दिनांक, **03** जुलाई, 2021

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
भूगि संरक्षण वन प्रभाग,
रामनगर उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत गदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 146.71 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

		RAMNAGAR SC DIVISION	
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Contour Trenches	ha	310	9.30
Creation of water bodies	Nos.	45	16.20
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	8	15.04
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	498	80.60
Lantana Removal/Invasive Species	ha	275	25.57
Total			146.71

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च रत्नों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित गदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं चत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति राक्षम रत्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए रामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय रक्षीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं दिना राक्षम रत्तर की रक्षीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन गांगलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुरितका के नियमों तथा अन्य रथायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत राम्पादित कराये जाने वाले समर्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय बनाधिकारी एवं वन संस्काक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व वह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रक्षीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समर्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये विषय अनुसार प्रभागीय बनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल गांधीम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व वह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विविहत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षाशेषण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थनीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमन्त्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. बन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन रानक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य गांधीम से अतिरिक्त धनराशि/प्राधिकार की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का डियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत राम्पादित किया जाय।
24. रामरत स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

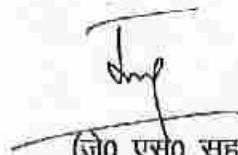
(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संस्काक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २२३ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

- प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी सभिते, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
- अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
- मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
- वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ गृह, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।


(जे० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2018 (2018 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्घाष / फ़ैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक- २२१ /३-३(५) / २०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
भूमि संरक्षण वन प्रभाग,
नैनीताल, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवगुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मर्दों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को नियन्त्रित तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 326.25 लाख की धनराशि अवगुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

NAINITAL SC DIVISION			
Name of Activity	Unit	Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	150	113.40
Contour Trenches	ha	250	22.50
Creation of water bodies	Nos.	138	18.50
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	22	11.56
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	615	110.39
Lantana Removal/Invasive Species	ha	547.38	49.90
Total			326.25

कृपया अवगुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवगुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में नियम एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें:-

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवगुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवगुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मर्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मर्दों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवगुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अधिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्ता हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सकाम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।

6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं नियिदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनेजमेंट, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, में पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही गजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किरी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यालयी सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (पित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनेजमेंट) उत्तराखण्ड अधिनियम (प्रैक्टिकरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरांगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलारीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा थैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्यावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-प्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर राज्यबद्ध प्रविष्टि की जाये।
21. बन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा मारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्वीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/तापित्य सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से सम्यान्तर्गत सम्पादित किया जाय।
24. समस्त स्थल विशिष्ट कार्य की अकांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्बन्ध फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांकः— २१ /३-३(५) /२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रगुण वन राज्यक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, दक्षिणी कुगाऊं वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण

(उत्तराखण्ड कैम्प)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की धारा 10(1) के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूर्घाष / फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक ३२५/३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
भूमि संरक्षण वन प्रभाग,
रानीखेत, उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निमानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 414.35 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	RANIKHET SC DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Assisted Natural Regeneration (A.N.R)	ha	150	113.40
Contour Trenches	ha	309	30.90
Creation of water bodies	Nos.	247	62.00
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	35	29.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	973	128.55
Lantana Removal/Invasive Species	ha	550.00	50.00
Total			414.35

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तेः—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 'प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम-2016' के अंतर्गत निर्गत प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि नियमावली - 2018 में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रवंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति संभाग रत्न रो प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बाटा जाए।

7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्थीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्थीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आगणन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्थीकृति आवश्यक हों, गें पहले ऐसी स्थीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्थीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रामाणीय वनाधिकारी एवं वन संरक्षक पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित करा लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विमाणीय योजनाओं में पूर्व से स्थीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्थीकृत हैं तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदर्शन स्थीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबन्धन के लिए समयबद्ध/प्रभागी कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. कैम्पा भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधित्वन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्टिकरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षात नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक कलारीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रतावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. तृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, सुवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रविष्टि की जाय।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम रीमा कैम्पा निधि की स्थीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की स्थीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तरात सम्पादित किया जाय।
24. रामरत स्थल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासमाव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(ज० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- ३२५ / ३-३(५) / २०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, दक्षिणी कुमाऊँ वृत्त, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जे० एस० सुहाग)

अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
 उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण (उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 39) की धारा 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फैक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक—२२७ /३-३(५)/२०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
बागेश्वर वन प्रभाग,
बागेश्वर उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में खींकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के रत्तर पर खींकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निर्मानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ 166.89 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	BAGESHWAR DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	165.59	47.19
Plantation Maintenance - CA	ha	284.91	28.90
Nursery Maintenance - CA	Nos.	140000	2.45
Nursery Raising - CA	Nos.	144000	12.53
Contour Trenches	ha	400	20.56
Creation of water bodies	Nos.	53	10.50
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	200	24.00
Lantana Removal/Invasive Species**	ha	800	20.76
Total			166.89

** प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा के निर्देशानुसार लैंटाना उन्मूलन मद में वर्तमान में 50 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त की जा रही है। वर्ष 2021-22 के अंतर्गत लैंटाना उन्मूलन/इनवेजिव रपीशीज मद में प्रभाग द्वारा की गई मांग की, प्रभाग की 10 वर्षीय कार्ययोजना/प्रबंध योजना से पुष्टि कराए जाने की अपेक्षा की गई है। तदनुसार सूचना/रिपोर्ट इस कार्यालय को उपलब्ध कराएं। लैंटाना उन्मूलन/इनवेजिव रपीशीज मद की शेष धनराशि प्रगुख वन संरक्षक महोदय की अपेक्षानुसार प्रगाग की 10 वर्षीय कार्ययोजना/प्रबंध योजना से लक्ष्यों की पुष्टि होने के उपरान्त अवमुक्त की जायेगी।

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित गानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

३

नियम एवं शर्तें—

1. भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकर्त्तव्यक वनस्पति निधि अधिनियम 2018 के अन्तर्गत निर्गत प्रतिकर्त्तव्यक वनस्पति निधि नियमावली - 2018 में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमत्य गतिविधियों के कियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
2. अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं वार्षिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत भद्दों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से रामब-समय पर प्राप्त अन्य सुसंगत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित नहीं/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
3. भौतिक लक्षणों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त की गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित करायें जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियाव्यय अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
4. जिन कार्यों के संपादन हेतु डी०पी०आर अपेक्षित है उक्ता हेतु डी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उक्तकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
5. उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
6. प्रशासनिक एवं वित्तीय रखीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बदने के लिए राष्ट्रग्रिहीं व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बांटा जाए।
7. कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय रखीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं दिना सक्षम स्तर की रखीकृति के कोई कार्य सम्बन्ध न कराया जाए।
8. निर्माण कार्य हेतु अनुसूची (SOI) आधार पर गढ़ित आगरन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय दृष्टानुसिद्धिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राविधिकारी की रखीकृति आवश्यक हों, मैं पहले ऐसी रखीकृति अधिक्षय प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय रखीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
9. कैम्पा योजना के अन्तर्गत सम्पादित कराये जाने वाले समस्त कार्यों हेतु भानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
10. आगरन में प्राविधिक डिजाईन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रभागीय वनाधिकारी एवं वन संबंधी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्व से रखीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से रखीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त रखीकृति को निरस्त कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
12. प्रभागीय तथा वृत्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबङ्गन के लिए समयबद्ध/प्रभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
13. किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संघर्ष खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधित्वन नियम) वित्तीय नियम संघर्ष खण्ड-5 (लेखा नियम) भाग-1 एवं खण्ड-7 (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
14. कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती मह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
15. उत्तराखण्ड कैम्पा निधि के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रवलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रभागीय वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा वैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
16. उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए जिसके प्रत्यक्षित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
17. प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
18. कैम्पा निधि के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें "उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित" शी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
19. वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समाशेह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
20. सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रयोगित की जाये।
21. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधानों का अनुपालन किया जाय।
22. व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा निधि की रखीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की रखीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तौ व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधान की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।

23. कार्यों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समर्यान्तर्गत राष्ट्रादित किया जाए।
24. समर्त रथल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशोंतर की कैम्पा एम0आई0एस0 में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाए तथा सम्पादित कार्यों के यथासम्भव फोटो भी एम0आई0एस0 में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम0आई0एस0 में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,

(जै0 एस0 सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- 227 /3-3(5)/2021-22 दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यास—कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं जोग, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
4. वन संरक्षक, उत्तरी कुमाऊं वृत्ता, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(जै0 एस0 सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

उत्तराखण्ड प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि प्रबन्धन और योजना प्राधिकरण
(उत्तराखण्ड कैम्पा)

(प्रतिकरात्मक वनरोपण निधि अधिनियम, 2016 (2016 का 38) की घास 10(1) के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा अधिसूचित)

वन भवन, 85 राजपुर रोड, देहरादून, दूरभाष/फँक्स : 0135-2744077

Email: ceocampa-forest-uk@nic.in, website : www.ukcampa.org.in

पत्रांक-२२८ /३-३(५) / २०२१-२२

दिनांक, ०३ जुलाई, २०२१

सेवा में,

प्रभागीय वनाधिकारी,
पिथौरागढ़ वन प्रभाग,
पिथौरागढ़ उत्तराखण्ड।

विषय :- वर्ष 2021-22 के अंतर्गत धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय के क्रम में वर्ष 2021-22 की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा प्रथम चरण में स्वीकृत मदों के सापेक्ष आपके वन प्रभाग के स्तर पर स्वीकृत विभिन्न गतिविधियों के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों को निम्नानुसार तालिकानुसार आवंटित करते हुए कुल ₹ ८४६.७१ लाख की धनराशि अवमुक्त की जा रही है।

Physical and Financial Targets under APO 2021-22

Name of Activity	Unit	PITHORAGARH DIVISION	
		Physical Target	Financial Target (Lakh Rs.)
Plantation - CA	ha	443.23	126.32
Plantation Maintenance - CA	ha	1059.29	104.59
Nursery Maintenance - CA	Nos.	519660	9.09
Nursery Raising - CA	Nos.	589440	51.28
Contour Trenches	ha	300	6.68
Creation of water bodies	Nos.	510	113.50
Rejuvenation of Water Sources	Nos.	15	190.00
Soil & Water Conservation Measures	Nos.	650	42.25
Sub Total			643.71
		ASKOT WS DIVISION (Pithoragarh FD)	
Creation and maintenance of drinking water holes for wild animals	Nos.	4	3.00
Sub Total			3.00
Total			646.71

कृपया अवमुक्त की गई धनराशि का निर्धारित मानकों के अनुसार उपयोग करते हुए इसकी वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की MIS में पूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने का कष्ट करें। अवमुक्त की गई धनराशि के व्यय के संबंध में निम्न नियमों एवं शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

नियम एवं शर्तें—

- 1 भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्रतिकर्तात्मक वनरोपण नियम अधिनियम-2016' के अन्तर्गत निर्गत प्रतिकर्तात्मक वनरोपण नियमावली - 2018' में उल्लिखित प्राविधानों एवं अनुमन्य गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ही अवमुक्त धनराशि का उपयोग किया जाय।
- 2 अवमुक्त धनराशि का उपयोग प्रभाग की स्वीकृत कार्ययोजना/प्रबंध योजना एवं धार्थिक कार्ययोजना के उपरोक्त स्वीकृत मदों में ही किया जाय एवं उच्च स्तरों से समय-समय पर प्राप्त अन्य सुरक्षित आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि का उपयोग किसी भी दशा में प्रतिबंधित मदों/गतिविधियों में कदापि न किया जाय।
- 3 भौतिक लक्ष्यों की प्राप्ति अनिवार्य रूप से अवमुक्त ली गई धनराशि के सापेक्ष ही प्राप्त की जाय। बजट की प्रत्याशा में कोई कार्य न संपादित कराये जायें। धनराशि की प्रत्याशा में कराये गये कार्यों हेतु संबंधित क्रियान्वयन अभिकरण स्वयं उत्तरदायी होंगे।
- 4 जिन कार्यों के संपादन हेतु ढी०पी०आर अपेक्षित है उक्त हेतु ढी०पी०आर तैयार कर कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व उसकी सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त की जाय। स्वीकृत डी०पी०आर की एक प्रति इस कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करवाई जाए।
- 5 उत्तराखण्ड अधिग्राहित नियमावली 2017 तथा अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया जाय।
- 6 प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने एवं निविदा प्रक्रिया से बचने के लिए सामग्रियों व कार्यों की मात्रा को छोटे-छोटे टुकड़ों में न बाटा जाए।
- 7 कार्य की सक्षम स्तर से प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त की जाए। बजट की प्रत्याशा एवं बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के कोई कार्य सम्पन्न न कराया जाए।
- 8 निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOB) आधार पर गठित आगामन का सक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण करा लिया जाए एवं द्वाय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापुरिका के नियमों तथा अन्य रशायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रखीकृति आवश्यक हों, मैं पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाव तथा वित्तीय रखीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
- 9 कैम्पा योजना के अन्तर्गत राष्ट्रादित कराये जाने वाले समरत कार्यों हेतु मानक दर के अनुसार ही मजदूरी का भुगतान किया जाए।
- 10 आगामन में प्राविधिकीय डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित प्रगामीय वनाधिकारी एवं यान संस्करण पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 11 उपरोक्त कार्यों को कराये जाने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि संबंधित कार्य अन्य विभागीय योजनाओं में पूर्ण से स्वीकृत नहीं है। यदि कार्य किसी अन्य योजना के अन्तर्गत पूर्व से स्वीकृत है तो कार्य के सापेक्ष व्यय एक ही योजना के अन्तर्गत किया जाय तथा दूसरी योजना में प्रदत्त स्वीकृति को निररत कर यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाय।
- 12 प्रशासनिक व्यय हेतु समर्त स्तर पर प्रशासनिक/वित्तीय प्रबंधन के लिए समयबद्ध/प्रामाणीकार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
- 13 किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-१ (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-५ (लेखा नियम) भाग-१ एवं खण्ड-७ (वन लेखा नियम) आय-व्ययक संक्षेपी नियम (बजट ऐनुअल) उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्टिकरमेंट) नियमावली, 2017 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुरक्षित नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 14 कैम्पा के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का मासिक क्लासीफाइड लेखा प्रत्येक अनुवर्ती माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से उत्तराखण्ड कैम्पा कार्यालय को उपलब्ध कराया जाए।
- 15 उत्तराखण्ड कैम्पा नियम के अन्तर्गत किये जाने वाले समस्त भुगतान वर्तमान प्रचलित दिशा-निर्देशों/शासनादेशों एवं संचालन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार प्रशासनिक वनाधिकारी/सक्षम स्तर द्वारा चैक/RTGS/डिजिटल माध्यम से ही किया जाय।
- 16 उक्त कार्यों को किए जाने से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रस्तावित कार्य अन्य योजनाओं में प्रस्तावित अथवा कराए न गए हों।
- 17 प्रस्तावित कार्यों का विधिवत Documentation किया जाए।
- 18 कैम्पा नियम के अन्तर्गत समस्त कार्यों में स्थल पर इस आशय का बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाया जाये, जिसमें कार्य का संक्षिप्त विवरण, कार्य कराए जाने का वर्ष तथा व्यय धनराशि अंकित हो। साथ ही इसमें “उत्तराखण्ड कैम्पा द्वारा वित्तपोषित” भी प्रमुखता से अंकित किया जाये।
- 19 वृक्षारोपण एवं अन्य स्थलीय कार्यों को संपादित किये जाते समय, कार्य को जन-समारोह के रूप में मनाते हुए स्थानीय जन प्रतिनिधियों, स्थानीय जनमानस, युवाओं, छात्र-छात्राओं आदि को भी आमंत्रित किया जाये।
- 20 सम्पादित कार्यों को अनिवार्य रूप से ई-ग्रीनवॉच पोर्टल में अपलोड कर समयबद्ध प्रयोगिट की जाये।
- 21 वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, वन संरक्षण अधिनियम 1980 तथा भारतीय वन अधिनियम 1927 के प्राविधिकों का अनुपालन किया जाय।
- 22 व्यय की अधिकतम सीमा कैम्पा नियम की स्वीकृत कार्ययोजना व संबंधित मद की रखीकृत धनराशि से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त धनराशि/प्राविधिक वनराशि में कोई व्यय भार/दायित्य सृजित किया जाय।
- 23 लायों का क्रियान्वयन उच्च गुणवत्ता से समयान्तर्गत सम्पादित किया जाय।

PDF Compressor Free Version

24. समस्त रथल विशिष्ट कार्य की अक्षांश व देशांतर की कैम्पा एम०आई०एस० में प्रविष्टि समयबद्ध रूप से की जाय तथा सम्पादित कार्यों के यथासाम्भव फोटो भी एम०आई०एस० में अपलोड किए जाएं।
25. सम्पादित कार्यों की प्रविष्टि कैम्पा एम०आई०एस० में समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए।

भवदीय,


(ज० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा

पत्रांक:- २२८ /३-३(६)/२०२१-२२ दिनांकित

प्रतिलिपि :-

1. प्रमुख वन रांक्षक, उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष-कार्यकारी समिति, उत्तराखण्ड कैम्पा को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2. प्रमुख वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ प्रेषित।
4. मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊँ जौन, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
5. वन संरक्षक, उत्तरी कुमाऊँ गृता, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।



(ज० एस० सुहाग)
अपर प्रमुख वन संरक्षक/
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड कैम्पा